Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding loss of crops due to contaminated water in Kankar, Chhattisgarh.

श्री विक्रम उसेंडी (कांकेर): महोदया, छत्तीसगढ़ राज्य के कांकेर जिले के अंतर्गत विकास खण्ड दुर्गकोंदल के हाहालदी के पहाड़ों में खदानों में लौह अयस्क हेतु खनन के कार्य चल रहे हैं, उससे प्रभावित गांवों मेड़ो, चाह्चाड़, पड़गाल, हाहालदी, भुसकी इत्यादि गांवों के अतिरिक्त विकास खण्ड कोयलीबेड़ा के गांव मेटाबोदेली खदान में लौह अयस्क के खनन का काम चालू है। दोनों विकास खण्डों के चारगांव, छोटेबोदेली, मेटाबोदेली, सोड़वा इत्यादि ग्रामों में लौह अयस्क के खनन से अभी वर्षा ऋतु में खनन के बाद निकलने वाले लाल पानी से किसानों के खेतों में धान की फसल के साथ-साथ, वहां अन्य फसलें भी नहीं हो पा रहे हैं, उनके ग्रोथ नहीं हो पा रही है। इसके चलते खेत बंजर हो रहे हैं। खनन प्रबंधन द्वारा भी इन दोनों स्थानों पर पानी निकासी हेतु कोई व्यवस्था नहीं की गई है। इसके साथ ही, वहां खनन क्षेत्र से बाहर खदानों से निकलने वाले लाल पानी से किसानों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

महोदया, वहां किसानों के खेतों में लाल पानी न आए, इसके लिए तत्काल नालियों के निर्माण के साथ-साथ, लाल पानी के फिल्टर या उपचार की व्यवस्था की जानी चाहिए। जब तक ऐसी कोई व्यवस्था न हो, तब तक वहां पर खनन का कार्य रोका जाए। किसानों के खेतों में लाल पानी जाने से बहुत नुकसान हो रहा है, जिसके चलते वहां किसान आक्रोशित हैं। साथ ही, वहां पर यह व्यवस्था भी होनी चाहिए, जिसमें खनन प्रबंधकों को लाखों-करोड़ों रुपये का लाभ हो रहा है, लेकिन किसानों के हित में वहां कोई भी काम नहीं किया जा रहा है, जिसके चलते वहां पर किसान आन्दोलन करने वाले हैं। इसके लिए मैं आपके माध्यम से माननीय खनन मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि वहां पर किसानों के हित में ऐसी व्यवस्था की जाए, जिससे वहां किसानों को कोई नुकसान न उठाना पड़े। वहां पर खनन का काम भी चालू रहे, लेकिन किसानों के हित को पहले प्राथमिकता देते हुए, ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए।

HON. SPEAKER:

Shri Bhairon Prasad Mishra,

Kunwar Pushpendra Singh Chandel and

Shri Lakhan Lal Sahu are permitted to associate with the issue raised by Shri Vikram Usendi.